

# **NEWS COVERAGE REPORT OF**

# **ICAR FOUNDATION & TECHNOLOGY DAY 2023**

---

16 July – 18 July 2023

## भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मनाएगी 95 वां स्थापना, प्रौद्योगिकी दिवस



नयी दिल्ली, 14 जुलाई (वार्ता) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद 16 से 18 जुलाई तक अपना 95 वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस मनाएगी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला 16 जुलाई को 95वें स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस का उद्घाटन करेंगे। कृषि में नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए चालीस चयनित प्रौद्योगिकियों को भी जारी किया जाएगा और डेवलपर्स को मान्यता भी मिलेगी। यह कार्यक्रम 16

से 18 जुलाई तक डॉ. सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, एनएससी कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। आईसीएआर हर साल 16 जुलाई को अपना स्थापना दिवस मनाता है। इस वर्ष से इसे 'स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

आईसीएआर भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के तहत एक स्वायत्त संगठन है। यह संगठन पूरे देश में बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान सहित कृषि में अनुसंधान और शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन और प्रबंधन के लिए शीर्ष निकाय है। देश भर में फैले 113 आईसीएआर संस्थान और 75 कृषि विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान करने में लगे हुए हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी एवं उद्योग इंटरफ़ेस होगा। कृषि उत्पादन, गुणवत्ता और किसान की आय बढ़ाने के लिए एवं हितधारकों के लाभ के लिए विभिन्न आईसीएआर संस्थानों द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाएगा। इनके अलावा, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल कृषि, प्रदर्शनी का मुख्य केंद्र बिंदु होगी। प्रदर्शनी में चावल, गेहूं, मक्का, दालें, तिलहन, श्री अन्न (मिले ट्स) और अन्य वाणिज्यिक फसलों के लिए पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। मशीनीकरण, सटीक खेती (प्रिसिजन फार्मिंग) और मूल्य वर्धित उत्पादों पर भी ध्यान दिया जाएगा। कृषि के सफल प्रचार के लिए आईसीएआर की शिक्षा प्रणाली, मजबूत विस्तार प्रणाली और नवाचार को प्रदर्शित किया जाएगा। इनके अलावा, एक्सपो में हितधारकों के लाभ के लिए पशु विज्ञान, मुर्गी पालन और मत्स्य पालन के लिए हाल ही में विकसित सिद्ध तकनीक प्रदर्शित की जाएगी।

Date

14.07.2023

Source

<http://www.univarta.com/news/india/story/3010326.html>

## ICAR to Celebrate Its 95th Foundation and Technology Day from July 16-18 at Dr. C. Subramanian Auditorium

Narendra Singh Tomar, Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare, and Parshottam Rupala, Union Minister of Fisheries, Animal Husbandry, and Dairying, are ready to inaugurate the 95th Foundation and Technology Day on July 16th.

The event, which will take place from July 16th to July 18th at the Dr. C. Subramanian Auditorium, [NASC Complex](#), aims to promote innovation in agriculture and recognize developers of selected technologies.

The Indian Council of Agricultural Research ([ICAR](#)), an autonomous organization under the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, is responsible for coordinating, guiding, and managing research and education in various fields such as agriculture, horticulture, fisheries, and animal sciences. With 113 ICAR institutes and 74 agricultural universities across the country, ICAR plays a crucial role in conducting cutting-edge research in agricultural sciences.

The Foundation and Technology Day celebration will feature a technology exhibition and industry interface, which will be the major highlight of the event. The exhibition will showcase novel technologies developed by different ICAR institutes, aiming to enhance agricultural production, improve quality, and increase the income of farmers. Emphasizing sustainable and climate-resilient agriculture, the exhibition will also focus on eco-friendly technologies for crops like rice, wheat, maize, pulses, oilseeds, millet, and other commercial crops.

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 15.07.2023 | <a href="https://krishijagran.com/news/icar-to-celebrate-its-95th-foundation-and-technology-day-from-july-16-18-at-dr-c-subramanian-auditorium/">https://krishijagran.com/news/icar-to-celebrate-its-95th-foundation-and-technology-day-from-july-16-18-at-dr-c-subramanian-auditorium/</a> |
|            |   |



Krishi Jagran  
169K subscribers

ICAR ने मनाया अपना 95वां स्थापना दिवस, देखें कार्यक्रम की कुछ झलकियां | Narendra Singh Tomar | Rupala

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने आज अपना 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस मनाया. इसको लेकर नई दिल्ली में एनएएससी कॉम्प्लेक्स के डॉ. सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम में 16 से 18 जुलाई तक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. जिसका उद्घाटन केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परशोत्तम रूपाला ने किया. इस कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह तोमर वर्चुअल रूप से जुड़े और किसानों व वैज्ञानिक को बधाई दी स्थापना दिवस के मौके पर सभागार में टेक्नॉलजी एग्जहिबिशन और उद्योग इंटरफेस आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा



ICAR ने मनाया अपना 95वां स्थापना दिवस, देखें कार्यक्रम की कुछ झलकियां |  
Narendra Singh Tomar |Rupala

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 16.07.2023 | <a href="https://www.youtube.com/watch?v=HMXqdA_H8fY">https://www.youtube.com/watch?v=HMXqdA_H8fY</a> |

# ICAR संस्थानों और कई संगठनों के बीच 17 MOU Sign हुए, किसानों व छात्रों सहित वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

आईसीएआर हर साल 16 जुलाई को अपना स्थापना दिवस मनाता आ रहा है. आज के दिन भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने इसे बहुत ही उत्साह के साथ मनाया...

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) 16 से 18 जुलाई 2023 तक भारत रत्न डॉ. सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में अपना 95वां आईसीएआर स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस मना रहा है.

बता दें कि ICAR हर साल 16 जुलाई के दिन ही अपना स्थापना दिवस मनाता है. लेकिन इस साल से ही इस कार्यक्रम को स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है. आईसीएआर भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के तहत एक स्वायत्त संगठन है. यह संगठन पूरे देश में बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान सहित कृषि में अनुसंधान और शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन और प्रबंधन के लिए शीर्ष निकाय है. देशभर में फैले 113 आईसीएआर संस्थान और 74 कृषि विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान के क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान करने में लगे हुए हैं.



ICAR का 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 16.07.2023 | <a href="https://hindi.krishijagran.com/news/17-mous-were-signed-between-icar-institutes-and-many-organizations-scientists-including-farmers-and-students-got-respect/">https://hindi.krishijagran.com/news/17-mous-were-signed-between-icar-institutes-and-many-organizations-scientists-including-farmers-and-students-got-respect/</a> |

# Union Minister Parashottam Rupala & Kailash Choudhary Inaugurate 95th ICAR Foundation and Technology Day

95th ICAR Foundation and Technology Day is being held at Dr C. Subramaniam Auditorium, NASC Complex. This three-day event features a technology exhibition in the field of agriculture.

On July 16, 2023, the 95th ICAR Foundation & Technology Day was inaugurated by [Parshottam Rupala](#), Union Minister of Fisheries, Animal Husbandry, and Dairy and Kailash Choudhary, Minister of State for Agriculture & Farmers Welfare. Later on, Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare, Narendra Singh Tomar joined the stage through video conference. The event is taking place at Dr C. Subramaniam Auditorium, NASC Complex, from July 16 to July 18 in the presence of Kailash Choudhary and Shobha Karandlaje, Minister of State for Agriculture & Farmers Welfare, Dr Himanshu Pathak, Secretary, DARE & Director General, ICAR, Sanjay Garg, Additional Secretary, DARE & Director General, ICAR, and Alka Arora, Additional Secretary & Financial Advisor, DARE/ICAR.

Each year on July 16th, [ICAR](#) (Indian Council of Agricultural Research) commemorates its Foundation Day. However, this year, it has been designated as 'Foundation and Technology Day' to emphasize the significance of technology in agriculture. ICAR is an independent organization operating under the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, part of the Government of India.

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 16.07.2023 | <a href="https://krishijagran.com/news/union-minister-parashottam-rupala-kailash-choudhary-inaugurate-95th-icar-foundation-and-technology-day/">https://krishijagran.com/news/union-minister-parashottam-rupala-kailash-choudhary-inaugurate-95th-icar-foundation-and-technology-day/</a> |



# Indian Council of Agricultural Research celebrates 95th foundation day, displays innovations through exhibition

The Council is the apex body for coordinating, guiding and managing research and education in agriculture including horticulture, fisheries and animal sciences in the entire country.

**T**he Indian Council of Agricultural Research (ICAR) celebrated its 95th foundation day at its headquarters here in the national capital on Sunday. In line with the foundation day, a three-day exhibition has been organized to showcase technologies developed by the state-owned premier research organisation to benefit farmers, students, industry, and entrepreneurs. Seeds, horticulture items, processed organic products such as millets, drones for spraying fertilisers and pesticides, were on display for visitors.

The exhibition is open for public till Tuesday. Established on July 16, 1929, and formerly known as the Imperial Council of Agricultural Research according to its website, ICAR is an autonomous organisation under the Department of Agricultural Research and Education (DARE) under the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare.

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 16.07.2023 | <a href="https://www.devdiscourse.com/article/business/2525723-indian-council-of-agricultural-research-celebrates-95th-foundation-day-displays-innovations-through-exhibition">https://www.devdiscourse.com/article/business/2525723-indian-council-of-agricultural-research-celebrates-95th-foundation-day-displays-innovations-through-exhibition</a> |
|            |   |

## ICAR Foundation Day observed at Kupwara DC Kupwara stresses for handholding of Agri-entrepreneurs

In order to celebrate India Council for Agricultural Research (ICAR) Foundation Day, Krishi Vigyan Kendra (KVK) Kupwara today organized a function here. The function was presided over by Deputy Commissioner (DC) Kupwara, Ayushi Sudan. Addressing the function, the DC appreciated the Members of Farmer Producer Organizations (FPOs) for doing commendable job in their fields of activity. He stressed upon the KVK officers to further improve their involvement with the FPOs vis a vis handholding of Agri-entrepreneurs which will boost their livelihood and overall employment generation scenario of the district.

Ayushi urged the entrepreneurs to not remain dependent on the Government rather become self-reliant by upskilling themselves. She asked them to identify bulk buyers to make assured income and market. She wished them success of their employment units. The DC appealed to all the participants including scientists and farmers to work with added dedication and hardwork to bring Rainbow Revolution in the district which shall make it self-reliant and bring prosperity to the people. On the occasion, Members of various FPOs and progressive Farmers interacted with the DC and shared their experience of work. They also put forth different issues pertaining to their business.

The DC heard them patiently and assured full support from the District Administration. KVK Head, Dr. Kaiser Mohiddin also spoke and said that the ICAR Foundation Day is celebrated every year with an aim to provide awareness to the farmers about new technologies in scientific farming from Institutions like ICAR. He said the old perception of farming by illiterates has now changed and highly educated persons are now seen involved in different Agri-entrepreneurship to change their future. He also assured the farmer participants about the support from KVK including establishment of a shop at Regipora for selling their products and arrangement for their training. Earlier, the DC inspected stalls installed by different FPOs at KVK Office Kupwara during which she was briefed about the different varieties of produce including pulses, high yield seeds, fruits and handicrafts.

KVK Head, Senior Scientists, Chairmen of various Food Processing Organizations (FPO) and a large number of women agri-entrepreneurs and farmers attended the function.

| Date          | Source   |
|---------------|--|
| July 16, 2023 | <a href="#">HomeJammu And Kashmir</a><br><a href="#">FEATUREDJAMMU AND KASHMIR</a> , By <a href="#">Dinesh</a> |
|               |  |



# Indian Council of Agricultural Research celebrates its 95th Foundation and Technology Day

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) celebrated its 95th Foundation Day yesterday at National Agriculture Science Complex, Pusa, New Delhi. Narendra Singh Tomar, Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare and President of ICAR Society was the Chief Guest of the program. Parshottam Rupala, Union Minister for Fisheries, Animal Husbandry – Dairying, and Kailash Choudhary, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare also graced the occasion.

Mr. Tomar appreciated the historic journey of ICAR and its overall achievements during the last 94 years. He exhorted that India is a surplus nation in terms of food grains and providing food to 80 crore people in the country. With the encouragement of the Prime Minister, new technology in agriculture has been promoted through various new mission programs for the benefit of farmers. Agricultural products from India are being preferred globally and millets are getting significance in the International Year of Millets, he added. This is happening because of the sincere efforts of farmers and scientists. The Minister said exports earned from agricultural and horticultural products have crossed 50 billion US dollars. He informed that Government is emphasizing organic farming and natural farming and a separate mission has been initiated with a budget provision of Rs.1500 crore for the promotion of eco-friendly agriculture. Further, he lauded the scientists and farmers for their great service to the nation in making the country not only self-sufficient in many commodities but also becoming an exporter of food items.

Union Minister for Fisheries, Animal Husbandry & Dairy, Mr. Rupala acclaimed ICAR for several remarkable achievements which have revolutionized the dairy and fisheries sector. He further mentioned that the time has come to earn carbon credits from agriculture which can be explored for additional income. He also inaugurated an exhibition showcasing innovative technologies developed by 113 ICAR research institutes.

Union Minister of State for Agriculture Ministry, Mr. Choudhary shared his views on the occasion and appreciated ICAR. He further mentioned that after 5 years ICAR will complete 100 years and this is the right time to strategize to set milestones for advancement in agriculture to be achieved in the centenary year.

Dr. Himanshu Pathak, Secretary (DARE) and Director General (ICAR) said that unprecedented growth in the agriculture sector has been recorded. He emphasized that India is not only self-sufficient in the production of food grains but is also exporting agriculture and agricultural products in large quantities. In his presentation, he highlighted the achievement made by ICAR such as the development of 346 varieties of food grains, 99 varieties of horticulture crops, mapping of efficient cropping system zones, fertigation schedule for 24 crops, 28 new equipment and machinery, coronavirus and lumpy disease vaccines, new diagnostics, the breeding protocol of new fish breeds, conduction of 47,088 on-farm trials and 2.99 lakh front line demonstration on new technologies. He also mentioned that 58 patents and 711 technology licensing agreements were signed by agriculture scientists from different industries. To promote agriculture innovations for commercialization, Scientist-Industry interface meetings are also organized as side events.

This is the first time, Foundation Day is celebrated as Technology Day, therefore, an exhibition has been organized to showcase ICAR technologies for the benefit of farmers, students, and agri-industry. This exhibition has been opened for the public from 16-18 July 2023 for awareness to the people of the innovations made by ICAR.

| Date                          | Source   |
|-------------------------------|--|
| <a href="#">July 17, 2023</a> | Krrishak jagat, <b>17 July 2023, New Delhi</b> |

PTI ■ NEW DELHI

Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar on Sunday asked farm scientists to focus more on research in areas of animal husbandry and fisheries, to boost production and their contribution in the overall farm sector growth.

Addressing virtually, the 95th foundation day of Indian Council of Agricultural Research (ICAR), Tomar said India holds the position of number one or two in the world in terms of production of most of the crops.

In achieving this feat, he said there has been immense contribution from agriculture scientists along with efforts from the farmers community and policy initiatives taken by the govern-

# Focus more on research in animal husbandry, fisheries for overall farm sector growth: Tomar to farm scientists

ments.

He said the Modi government in the last nine years has taken a lot of initiatives to promote technology in the agriculture sector, as part of its objective to boost farm income.

The efforts have also been made to better productivity and production in agriculture, he said, adding that the focus has also been on improving the quality.

Tomar highlighted that the Indian farm products are being globally accepted and therefore the annual farm export has

crossed USD 50 billion.

As the ICAR will celebrate its 100th Foundation Day after five years, Tomar asked the council to set targets to be accomplished and start working towards them.

The minister noted that the contribution of animal husbandry and fisheries in agriculture GDP is higher than crops.

Therefore, he said, "I feel we should pay more attention towards research in animal husbandry and fisheries."

Increased focus on research in areas of animal husbandry



and fisheries, which are growing at 7.7 per cent and 8.8 per cent, respectively, would help in increasing their share in the overall farm GDP and also

strengthen the rural economy.

Tomar talked about the challenge of climate change and said the scientists are already working to overcome it successfully.

The minister also emphasised on taking all new research and technology at farmgate level.

Tomar also stressed on the need to reduce the use of chemical fertilizers and highlighted steps taken by the Centre to promote organic/natural farming and alternative nutrients.

Parshottam Rupala, Union Minister of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying, urged farm scientists to do research in the area of millets to augment their production and productivity.

He said the global demand for millets would rise significantly in the coming years.

Minister of State for Agriculture Kailash Choudhary asked ICAR and its scientists to set targets not only for its 100th foundation day but also for the next 25 years.

## दुनिया को भोजन मुहैया कराने को तैयार की गई फसलों की नई किस्में

नई दिल्ली (वार्ता)।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चुनौती बताते हुए रविवार को कहा कि विश्व की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए फसलों की नई-नई किस्मों का विकास किया गया है, जो

आठ वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ा है और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में भी इसकी गति को बनाए रखा गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक अधिक परिश्रम कर प्रयोगशालाओं में नई-नई तकनीक का विकास करते हैं, जिसका खेतों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इससे सबसे

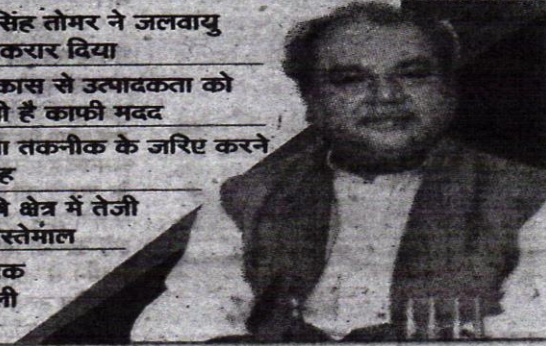
■ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चुनौती करार दिया

■ कहा, नई किस्मों के विकास से उत्पादकता को सतत बनाए रखने में मिलती है काफी मदद

■ इस चुनौती का मुकाबला तकनीक के जरिए करने की कृषि मंत्री ने दी है सलाह

■ पिछले आठ वर्षों में कृषि क्षेत्र में तेजी से बढ़ा नई तकनीकों का इस्तेमाल

■ नई तकनीकें किसानों तक पहुंचाई जाएं, क्योंकि असली हकदार वही



उत्पादन एवं उत्पादकता को सतत बनाए रखने में सक्षम हैं।

तोमर ने कृषि अनुसंधान परिषद के 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन विश्व के समक्ष एक गंभीर चुनौती है, जिसका आधुनिक तकनीक से मुकाबला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों और बागवानी फसलों का उत्पादन बढ़ाना और खेती में जल की बचत करना एक प्रमुख चुनौती है। पिछले सात-

अधिक किसानों को फायदा होगा, जो उसका असली हकदार है।

उन्होंने कहा कि एक समय फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग पर अधिक जोर दिया गया था। कुछ क्षेत्रों में किसानों ने रसायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग किया, जिसके कारण जमीन की उर्वरा शक्ति घटने लगी है। सरकार ने इस परिस्थिति को देखते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

# Indian Council of Agricultural Research celebrates its 95th Foundation and Technology Day

The **Indian Council of Agricultural Research** (ICAR) commemorated its **95th** Foundation and Technology Day at the National Agriculture Science Complex in Pusa, New Delhi, with the presence of Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare Narendra Singh Tomar as the chief guest. ICAR traditionally celebrates its Foundation Day on **July 16th** each year, but starting from this year, it has been designated as the '**Foundation and Technology Day**'.

## ICAR Exhibition: Showcasing Cutting-Edge Technologies for Sustainable Agriculture

The event featured state-of-the-art technologies pioneered by diverse ICAR institutes, aimed at enhancing agricultural production, quality, and farmer income. It showcased **eco-friendly** technologies designed for a wide range of crops, including rice, wheat, maize, pulses, oilseeds, **millet** (Shree Anna), and other commercially significant crops. The event emphasized the significance of mechanization, precision farming, and value-added products, as well as the importance of sustainable and climate-resilient agriculture. Visitors also had the opportunity to explore ICAR's robust extension system and educational innovations that actively contribute to the successful promotion of agriculture.

## ICAR: Driving Agricultural Research in India

ICAR, a self-governing entity operating under the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India, plays a vital role in coordinating, directing, and overseeing research and education in various agricultural domains, including horticulture, fisheries, and animal sciences. With **113** ICAR institutes and **74** agricultural universities located throughout the country, ICAR is at the forefront of conducting pioneering research in the field of agricultural sciences.

## India: A Food Surplus Nation with Growing Global Demand

India is a food surplus nation, ensuring sustenance for 800 million people within the country. The agricultural products from India are highly sought after worldwide, with millets gaining particular prominence during the **International Year of Millets**. Notably, the revenue generated from agricultural and horticultural exports has surpassed 50 billion US dollars.

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 17.07.2023 | <a href="https://currentaffairs.adda247.com/indian-council-of-agricultural-research-celebrates-its-95th-foundation-and-technology-day/">https://currentaffairs.adda247.com/indian-council-of-agricultural-research-celebrates-its-95th-foundation-and-technology-day/</a> |

# मछली पालन और बागवानी में रिसर्च पर फोकस करेगी ICAR, नई बीज किस्मों का विकास रखेगी जारी

कृषि एवं बागवानी फसलों की खेती में डिजिटल उपकरणों के उपयोग के साथ-साथ कटाई के बाद के प्रबंधन पर भी जोर दिया जाएगा.

95th foundation day of ICAR: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के महानिदेशक हिमांशु पाठक ने कहा कि संगठन, पशुधन (Livestock), मत्स्य पालन (fisheries) और बागवानी (horticulture) में रिसर्च पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी ताकि इन तीन क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा दिया जा सके. उन्होंने कहा कि ICAR यह सुनिश्चित करने के लिए जलवायु-अनुकूल बीज किस्मों का विकास जारी रखेगी ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण फसल उत्पादन प्रभावित न हो.

उन्होंने कहा कि कृषि एवं बागवानी फसलों की खेती में डिजिटल उपकरणों के उपयोग के साथ-साथ कटाई के बाद के प्रबंधन पर भी जोर दिया जाएगा. पाठक ने कहा कि अनुसंधान संस्थान निजी कंपनियों को ज्वाइंट रिसर्च करने के लिए आमंत्रित करेगा.

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर (Narendra Singh Tomar) ने रविवार को आईसीएआर (ICAR) के कृषि वैज्ञानिकों से उत्पादन को बढ़ावा देने और समग्र कृषि क्षेत्र के विकास में उनके योगदान के लिए पशुपालन और मत्स्य पालन में अनुसंधान पर अधिक ध्यान केंद्रित करने को कहा. मंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के 95वें स्थापना दिवस के मौके पर डिजिटल तरीके से अपने संबोधन में यह बात कही.

पाठक ने यहां पूसा परिसर में 95वें स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस (16-18 जुलाई) के मौके पर कहा, हमारा शोध कार्य केवल फसलों तक ही सीमित नहीं है. पशुधन और मत्स्य पालन हमेशा महत्वपूर्ण रहा है. देश भर में 15 संस्थान हैं जो केवल पशु विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मत्स्य पालन के लिए 8 शोध संस्थान हैं.

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 17.07.2023 | <a href="https://www.zeebiz.com/hindi/economy/agriculture/icar-to-focus-more-on-research-in-livestock-fisheries-horticulture-to-achieve-higher-growth-135960">https://www.zeebiz.com/hindi/economy/agriculture/icar-to-focus-more-on-research-in-livestock-fisheries-horticulture-to-achieve-higher-growth-135960</a> |

## ‘आईसीएआर उच्च वृद्धि हासिल करने के लिए मत्स्य पालन, बागवानी में अनुसंधान पर देगी और ध्यान’

नयी दिल्ली, 17 जुलाई (भाषा) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक हिमांशु पाठक ने सोमवार को कहा कि संगठन, पशुधन, मत्स्य पालन और बागवानी में अनुसंधान पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी ताकि इन तीन क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

उन्होंने कहा कि आईसीएआर यह सुनिश्चित करने के लिए जलवायु-अनुकूल बीज किस्मों का विकास जारी रखेगी ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण फसल उत्पादन प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि कृषि एवं बागवानी फसलों की खेती में डिजिटल उपकरणों के उपयोग के साथ-साथ कटाई के बाद के प्रबंधन पर भी जोर दिया जाएगा।

पाठक ने कहा कि अनुसंधान संस्थान निजी कंपनियों को संयुक्त अनुसंधान करने के लिए आमंत्रित करेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को आईसीएआर के कृषि वैज्ञानिकों से उत्पादन को बढ़ावा देने और समग्र कृषि क्षेत्र के विकास में उनके योगदान के लिए पशुपालन और मत्स्य पालन में अनुसंधान पर अधिक ध्यान केंद्रित करने को कहा।

मंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्थापना दिवस के मौके पर डिजिटल तरीके से अपने संबोधन में यह बात कही।

पाठक ने यहां पूसा परिसर में 95वें स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस (16-18 जुलाई) के मौके पर पीटीआई-भाषा से कहा, “हमारा शोध कार्य केवल फसलों तक ही सीमित नहीं है। पशुधन और मत्स्य पालन हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। देश भर में 15 संस्थान हैं जो केवल पशु विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मत्स्य पालन के लिए 8 शोध संस्थान हैं।

पाठक ने कहा, “हाल के वर्षों में पशुधन, मत्स्य पालन और बागवानी क्षेत्रों की वृद्धि अधिक रही है। हम इन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि हम उच्च विकास दर हासिल कर सकें और किसानों को भी लाभ मिले।”

आईसीएआर महानिदेशक ने कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र लगभग नौ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जबकि पशुपालन और बागवानी क्षेत्रों की वृद्धि भी फसलों की तुलना में अधिक है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बारे में बात करते हुए पाठक ने कहा कि आईसीएआर ने 6,000 से अधिक बीज किस्मों विकसित की हैं, जिनमें से लगभग 1,900 किस्में जलवायु अनुकूल हैं।

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 17.07.2023 | <a href="https://hindi.theprint.in/india/economy/icar-to-focus-more-on-research-in-fisheries-horticulture-to-achieve-higher-growth/569883/">https://hindi.theprint.in/india/economy/icar-to-focus-more-on-research-in-fisheries-horticulture-to-achieve-higher-growth/569883/</a> |

## Indian Council of Agricultural Research celebrates 95th foundation day, displays innovations through exhibition

New Delhi [India], July 17 (ANI): The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) celebrated its 95th foundation day at its headquarters here in the national capital on Sunday. In line with the foundation day, a three-day exhibition has been organized to showcase technologies developed by the state-owned premier research organisation to benefit farmers, students, industry, and entrepreneurs. Seeds, horticulture items, processed organic products such as millets, drones for spraying fertilisers and pesticides, were on display for visitors.

The exhibition is open for public till Tuesday. Established on July 16, 1929, and formerly known as the Imperial Council of Agricultural Research according to its website, ICAR is an autonomous organisation under the Department of Agricultural Research and Education (DARE) under the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare.



The Council is the apex body for coordinating, guiding and managing research and education in agriculture including horticulture, fisheries and animal sciences in the entire country. With 113 ICAR institutes and 71 agricultural universities spread across the country, it is one of the largest national agricultural systems in the world.

Speaking on the occasion, Narendra Singh Tomar, Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare and president of ICAR Society, appreciated the historic journey of ICAR and its overall achievements during the last 94 years. He lauded the scientists and farmers for their great service to the nation in making the country not only self-sufficient in many commodities but also becoming an exporter of food items.

| Date                       | Source    |
|----------------------------|-----------|
| 17 July, 2023 12:16 pm IST | The print |

**Kupwara:** In order to celebrate India Council for Agricultural Research (ICAR) Foundation Day, Krishi Vigyan Kendra (KVK) Kupwara today organised a function here.

The function was presided over by Deputy Commissioner (DC) Kupwara, Ayushi Sudan.

Addressing the function, the DC appreciated the Members of Farmer Producer Organisations (FPOs) for doing commendable job in their fields of activity. He stressed upon the KVK officers to further improve their involvement with the FPOs vis a vis handholding of Agri-entrepreneurs which will boost their livelihood and overall employment generation scenario of the district.

Ayushi urged the entrepreneurs to not remain dependent on the Government but rather become self-reliant by upskilling themselves. She asked them to identify bulk buyers to make assured income and market. She wished them success of their employment units.

The DC appealed to all the participants including scientists and farmers to work with added dedication and hardwork to bring Rainbow Revolution in the district which shall make it self-reliant and bring prosperity to the people.

On the occasion, Members of various FPOs and progressive Farmers interacted with the DC and shared their experiences of work. They also put forth different issues pertaining to their business.

The DC heard them patiently and assured full support from the District Administration.

KVK Head, Dr. Kaiser Mohiddin also spoke and said that the ICAR Foundation Day is celebrated every year with an aim to provide awareness to the farmers about new technologies in scientific farming from Institutions like ICAR. He said the old perception of farming by illiterates has now changed and highly educated persons are now seen as involved in different Agri-entrepreneurship to change their future.

| Date                                 | Source                    |
|--------------------------------------|---------------------------|
| Published on : 17 Jul 2023, 12:05 am | Greater Kashmir, Business |



The ICAR- Krishi Vigyan Kendra celebrated 95th foundation day of ICAR on July 16 by organising agricultural technology exhibition for the stakeholders in the College of Fisheries premises. The programme was inaugurated by Bharat Kumar, Member, Mangalore City Corporation, Mangaluru. Satyanarayana Bellari, Rice Germplasm Conservator from Kasargod and Alwin D'Souza, NSS programme officer, St Aloysius College (Autonomous), Mangaluru graced the occasion as chief guests. Dr T.J Ramesh, senior scientist and head, presided over the function and provided information about the technologies developed by the ICAR for the benefit of farmers. The scientist of KVK Dr Kedarnath, Dr Rashmi, Dr Ravindra Gouda Patil, Dr Shivakumar and Dr Mallikarjun provided information about various technologies developed by ICAR. Harish Shenoy, scientist, coordinated the programme and provided information on rice production technologies. About 24 volunteers of NSS units of St Aloysius College (Autonomous), Mangaluru actively participated in the programme.

| Date                         | Source     |
|------------------------------|------------|
| Mon, Jul 17 2023 03:50:29 PM | Mangulurru |

# ICAR-CTCRI's Smart Farming Technology Earns Recognition at National Level

This national recognition of e-CBSF highlights its potential to revolutionize the agricultural sector in India and contribute significantly to food security, sustainability, and economic growth.

The ICAR-Central Tuber Crops Research Institute (CTCRI) in Thiruvananthapuram has achieved a remarkable milestone with its e-crop based [smart farming](#) technology (e-CBSF). Recently, the technology was honoured at the 95th Foundation Day Ceremony of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) in New Delhi, where it was recognized as one of the top five technologies developed for the horticultural sector in 2022-23.



e-CBSF, an Internet of Things (IoT) enabled and crop model-based smart farming innovation, is designed to calculate the precise nitrogen, phosphorus, potassium, and water requirements of field crops. The main objective of this technology is to minimize the yield gap, thereby revolutionizing traditional farming practices.

The technology has been successfully applied to several crops, including cassava, [sweet potato](#), elephant foot yam, and banana. By implementing e-CBSF, the yield gap for these crops has been remarkably reduced from 50% to an impressive 5%, showcasing the immense potential of the innovation.

One of the notable benefits of e-CBSF is its significant reduction in nutrient and water consumption. According to the CTCRI, nutrient and water savings range from 25% to 50%, leading to more sustainable and eco-friendly agricultural practices. Furthermore, the adaptability of this technology to other field crops by integrating suitable crop models holds the promise of even broader agricultural transformation.

Santhosh Mithra, the principal scientist and lead developer of e-CBSF, was honoured with a certificate during the prestigious ceremony. The event was graced by the presence of esteemed dignitaries, including Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar, Union [Animal Husbandry](#) and Fisheries Minister Parshottam Rupala, Minister of State for Agriculture Kailash Chowdhury, and ICAR Director General Himanshu Pathak.

The successful development of e-CBSF would not have been possible without the hard work and dedication of the associate developers from CTCRI, including scientists G. Byju, J. Sreekumar, and D. Jaganathan.

**Date**

**Published on 17 July, 2023 11:47 AM IST**

**Source**

**Krishi Jagran, Shivam Dwivedi**

# ICAR to focus more on research in livestock, fisheries, horticulture to achieve higher growth: DG Himanshu Pathak

Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Director General Himanshu Pathak on Monday said the organisation will focus more on research in livestock, fisheries and horticulture to boost growth in these three sectors.

ICAR would continue to develop climate-resilient seed varieties to ensure crop production does not get affected due to climate change, he said, adding that emphasis would also be laid on the use of digital tools in farming, as well as post-harvest management of agriculture and horticulture crops. Pathak said the research institute will invite private players to do joint research.

On Sunday, Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar asked ICAR's farm scientists to focus more on research in animal husbandry and fisheries to boost production and their contribution to the overall farm sector growth. The minister was speaking virtually on the 95th foundation day of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR).

"Our research work is not limited to crops only. Livestock and fisheries have always been important. There are 15 institutes across the country which focus only on animal science and there are 8 research institutes for fisheries. "In recent years, the growth of livestock, fisheries and horticulture sectors has been higher. We will focus more on these sectors so that we achieve higher growth and farmers also get benefits," Pathak told PTI on the sidelines of its 3-day celebration of 95th Foundation and Technology Day (July-16-18) at Pusa campus here. The ICAR DG highlighted that the fisheries sector is growing at nearly 9 per cent while the growth of animal husbandry and horticulture sectors are also higher than crops. Talking about the challenge of climate change, Pathak said the ICAR has developed more than 6,000 seed varieties, of which nearly 1,900 varieties are climate-resilient. He said there are certain wheat varieties which can deal with a sudden rise in temperature during winter (January-February).

Pathak said the ICAR has also developed many varieties of paddy and other crops that are resilient to both drought and flood. "We have decided that there will be some trait of climate resilience in all seed varieties of agriculture and horticulture crops," he added. Pathak also stressed strengthening the collaboration with private players. "We have been collaborating with private parties. ICAR use to develop technology, and then we invite private players to commercialise the technologies. Now, we want that ICAR and private players should collaborate and work together to do research from the beginning to solve problems of agriculture and allied sector," he said. The ICAR DG said the council would also promote precision agriculture and Artificial Intelligence.

He highlighted that the ICAR institutes, agriculture universities and Krishi Vigyan Kendras (KVKs) have started using drones. Pathak said around 250 KVKs already have procured drones out of 731 KVKs across the country, and around 15,000 demonstrations were conducted last year to educate farmers. The remaining KVKs will also soon be provided with drones.

(This story has not been edited by Devdiscourse staff and is auto-generated from a syndicated feed.)

Date

Source

Updated: 17-07-2023 17:47 IST | Created: 17-07-2023 17:47 IST

Devdiscourse, [PTI](#) | New Delhi



## 95 वर्ष का हुआ भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई दिल्ली में अपना 95वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं आईसीएआर सोसायटी के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर थे। केंद्रीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री परषोत्तम रूपाला और केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। तोमर ने पिछले 94 वर्षों की आईसीएआर की ऐतिहासिक यात्रा और इसकी समग्र उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने आह्वान किया कि भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर राष्ट्र है और देश के 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से किसानों के लाभ के लिए विभिन्न नए मिशन कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि में नई तकनीक को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि भारत के कृषि उत्पादों को विश्व स्तर पर पसंद किया जा रहा है और मोटे अनाज को महत्व मिल रहा है। यह किसानों और वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों के कारण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि कृषि और बागवानी उत्पाद से होने वाली निर्यात आय 50 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। उन्होंने बताया कि सरकार जैविक खेती और प्राकृतिक खेती पर जोर दे रही है और पर्यावरण अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के लिए 1500 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ एक अलग मिशन शुरू किया गया है। इसके अलावा, उन्होंने राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए वैज्ञानिकों और किसानों की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप देश न केवल कई वस्तुओं में आत्मनिर्भर बन गया बल्कि खाद्य वस्तुओं का निर्यातक भी बन गया। रूपाला ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए आईसीएआर की सराहना की, जिन्होंने डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र में क्रांति लाई है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि कृषि से कार्बन क्रेडिट अर्जित करने का समय आ गया है जिसे अतिरिक्त आय स्रोत के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने 113 आईसीएआर अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। चौधरी ने इस अवसर पर अपने विचार साझा किये और आईसीएआर की सराहना की। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि 5 वर्षों के बाद आईसीएआर 100 वर्ष पूरे कर लेगा और कृषि में उन्नति के लिए और मानक स्थापित करने के लिए रणनीति बनाने का समय आ गया है। डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत न केवल खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है, बल्कि बड़ी मात्रा में कृषि और कृषि उत्पादों का निर्यात भी कर रहा है। अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने आईसीएआर द्वारा प्राप्त उपलब्धियों जैसे कि खाद्यान्न की 346 किस्मों का विकास, बागवानी फसलों की 99 किस्में, कुशल फसल प्रणाली क्षेत्रों की मैपिंग, 24 फसलों के लिए प्रजनन कार्यक्रम, 28 नए उपकरण और मशीनरी, कोरोना वायरस और लम्पी रोग के टीके, नए निदान, नई मछली नस्लों का प्रजनन प्रोटोकॉल, फार्म परीक्षणों पर 47088 का संचालन और नई प्रौद्योगिकियों पर 2.99 लाख फ्रंट लाइन प्रदर्शन आदि के बारे में प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विभिन्न उद्योगों के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा 58 पेटेंट और 711 प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। व्यावसायीकरण के लिए कृषि नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए, वैज्ञानिक-उद्योग इंटरफेस बैठकें भी साइड इवेंट के रूप में आयोजित की जाती हैं। इस कार्यक्रम में आईसीएआर शासकीय निकाय के सदस्यों, आईसीएआर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, आईसीएआर संस्थानों के निदेशकों, वैज्ञानिकों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, किसानों, कृषि उद्यमियों ने भी भाग लिया। यह पहली बार है कि स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया गया है इसलिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है जिसमें किसानों, छात्रों और कृषि-उद्योग के लाभ के लिए आईसीएआर प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया है। आईसीएआर द्वारा किए गए नवाचारों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए यह प्रदर्शनी 16-18 जुलाई, 2023 तक लोगों के लिए खोली गई है।

| Date         | Source                           |
|--------------|----------------------------------|
| 17 Jul, 2023 | FasalKranti, Emran Khan, समाचार, |

## 95 वर्ष का हुआ भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई दिल्ली में अपना 95वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं आईसीएआर सोसायटी के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर थे। केंद्रीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री परषोत्तम रूपाला और केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। तोमर ने पिछले 94 वर्षों की आईसीएआर की ऐतिहासिक यात्रा और इसकी समग्र उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने आह्वान किया कि भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर राष्ट्र है और देश के 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से किसानों के लाभ के लिए विभिन्न नए मिशन कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि में नई तकनीक को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि भारत के कृषि उत्पादों को विश्व स्तर पर पसंद किया जा रहा है और मोटे अनाज को महत्व मिल रहा है। यह किसानों और वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों के कारण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि कृषि और बागवानी उत्पाद से होने वाली निर्यात आय 50 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। उन्होंने बताया कि सरकार जैविक खेती और प्राकृतिक खेती पर जोर दे रही है और पर्यावरण अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के लिए 1500 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ एक अलग मिशन शुरू किया गया है। इसके अलावा, उन्होंने राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए वैज्ञानिकों और किसानों की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप देश न केवल कई वस्तुओं में आत्मनिर्भर बन गया बल्कि खाद्य वस्तुओं का निर्यातक भी बन गया। रूपाला ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए आईसीएआर की सराहना की, जिन्होंने डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र में क्रांति लाई है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि कृषि से कार्बन क्रेडिट अर्जित करने का समय आ गया है जिसे अतिरिक्त आय स्रोत के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने 113 आईसीएआर अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। चौधरी ने इस अवसर पर अपने विचार साझा किये और आईसीएआर की सराहना की। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि 5 वर्षों के बाद आईसीएआर 100 वर्ष पूरे कर लेगा और कृषि में उन्नति के लिए और मानक स्थापित करने के लिए रणनीति बनाने का समय आ गया है। डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत न केवल खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है, बल्कि बड़ी मात्रा में कृषि और कृषि उत्पादों का निर्यात भी कर रहा है। अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने आईसीएआर द्वारा प्राप्त उपलब्धियों जैसे कि खाद्यान्न की 346 किस्मों का विकास, बागवानी फसलों की 99 किस्में, कुशल फसल प्रणाली क्षेत्रों की मैपिंग, 24 फसलों के लिए प्रजनन कार्यक्रम, 28 नए उपकरण और मशीनरी, कोरोना वायरस और लम्पी रोग के टीके, नए निदान, नई मछली नस्लों का प्रजनन प्रोटोकॉल, फार्म परीक्षणों पर 47088 का संचालन और नई प्रौद्योगिकियों पर 2.99 लाख फ्रंट लाइन प्रदर्शन आदि के बारे में प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विभिन्न उद्योगों के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा 58 पेटेंट और 711 प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। व्यावसायीकरण के लिए कृषि नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए, वैज्ञानिक-उद्योग इंटरफेस बैठकें भी साइड इवेंट के रूप में आयोजित की जाती हैं। इस कार्यक्रम में आईसीएआर शासकीय निकाय के सदस्यों, आईसीएआर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, आईसीएआर संस्थानों के निदेशकों, वैज्ञानिकों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, किसानों, कृषि उद्यमियों ने भी भाग लिया। यह पहली बार है कि स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया गया है इसलिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है जिसमें किसानों, छात्रों और कृषि-उद्योग के लाभ के लिए आईसीएआर प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया है। आईसीएआर द्वारा किए गए नवाचारों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए यह प्रदर्शनी 16-18 जुलाई, 2023 तक लोगों के लिए खोली गई है।

| Date         | Source                           |
|--------------|----------------------------------|
| 17 Jul, 2023 | FasalKranti, Emran Khan, समाचार, |



## केवीके दिल्ली में 95वें आईसीएआर स्थापना दिवस के अवसर पर किसानों को दिया जा रहा परीक्षण

[किसान तक](#)

वीके दिल्ली परिसर में 95वें आईसीएआर स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. डीके राणा, वहीं डॉ. जेपी गोदारा सहित अन्य कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

केवीके दिल्ली परिसर में 95वें आईसीएआर स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने का उद्घाटन दिवस मनाया गया। जिसमें समन्वयक डॉ. डीके राणा द्वारा कृषि और अन्य संबंधित सेवाओं में ड्रोन के उपयोग जैसी विभिन्न नवीन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि ड्रोन किस प्रकार किसानों के लिए कृषि में सहायक होगा जैसे खरपतवारनाशी स्प्रे, किसी अन्य दवा स्प्रे के संबंध में। और यह श्रम को कम कर सकता है और किसान को खरपतवारनाशी या अन्य उर्वरकों की किसी भी खतरनाक कार्रवाई से सुरक्षित बना सकता है।

### किसानों को दी गई पशुपालन से जुड़ी जानकारी

वहीं डॉ. जेपी गोदारा द्वारा एकीकृत कृषि प्रणाली, पशुपालन के तहत आधुनिक प्रबंधन प्रथाओं का प्रदर्शन शामिल है। आईएफएस मोड के तहत विभिन्न उद्यमों को एक क्षेत्र या छत के नीचे किया जा सकता है। और ये सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जैसे कि पानी के तालाब के ऊपर जाली लगाकर पाली जाने वाली बकरी या मर्गीपालन इकाई जिसमें नीचे मछली पालन किया जाता है। बकरी/मर्गी की बीट मछली पालन के लिए चारे के रूप में काम करती है और अवशेष बैच के बाद पानी और घोल का उपयोग किचन गार्डन या कृषि फार्म में खाद के रूप में किया जा सकता है। तो इसी तरह बकरी पालन के साथ कई अन्य डेयरी और मछली पालन के साथ बागवानी भी की जा सकता है। **किचन गार्डन के साथ पेरीअर्बन बागवानी भी है जरूरी**

डॉ. रितु सिंह द्वारा बाजरा प्रसंस्करण और डॉ. आर.के. सिंह द्वारा किचन गार्डन के साथ पेरीअर्बन बागवानी के बारे में किसानों को बताया गया। विशाल एवं रामसागर द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई जिसके अंतर्गत 3-5 उद्यमी, कमोडिटी एवं 7 मॉडल प्रदर्शन सम्मिलित हुए। कृषक महिलाओं सहित लगभग 70 किसानों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

### तकनीकी इनपुट प्रदान करेगा केवीके दिल्ली

यह उत्सव 16 से 18 जुलाई तक 3 दिनों तक जारी रहेगा। आत्माराम, मंजू और सभी कर्मचारी कार्यक्रम के आयोजन के लिए पूरे समर्पण के साथ काम करते हैं और अगले 2 दिनों तक इसका पालन करेंगे। केवीके दिल्ली भविष्य में भी किसान समुदाय को सर्वोत्तम तकनीकी इनपुट प्रदान करेगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में किसानों को खेती के साथ-साथ कृषि में इस्तेमाल होने वाली तकनीकों के बारे में बताया जाएगा। साथ ही किसानों को यह भी बताया जाएगा कि कैसे किसान इसका उपयोग कर समय और पैसा बचा सकते हैं।

Date

Delhi, Jul 17, 2023, Updated Jul 17, 2023, 4:55 PM IST

Source

[किसान तक](#)



# ICAR Marks 95th Foundation Day with Technological Triumphs, Organizes Exhibition for Everyone

This year marked the first celebration of Foundation Day as Technology Day. To showcase ICAR's technologies for the benefit of farmers, students, and the agri-industry, an exhibition has been organized and will remain open to the public from July 16 to 18, 2023. The exhibition aims to raise awareness about the innovative strides made by ICAR.

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) celebrated its **95th Foundation Day** yesterday at the National Agriculture Science Complex in Pusa, New Delhi. The event was graced by esteemed guests, including **Shri Narendra Singh Tomar**, Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare and President of ICAR Society, **Shri Parshottam Rupala**, Union Minister for Fisheries, Animal Husbandry - Dairying, and Shri Kailash Choudhary, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare.

Shri Tomar commended the historic journey of ICAR and its remarkable achievements over the past 94 years. He highlighted India's status as a surplus nation in terms of food grains, providing sustenance to 80 crore people. Under the encouragement of Prime Minister, the promotion of new agricultural technologies through various mission programs has greatly benefited farmers. Indian agricultural products are now preferred globally, with millets gaining significance in the **International Year of Millets**.

Shri Tomar attributed this success to the dedication of farmers and scientists. He noted that exports of agricultural and horticultural products have surpassed 50 billion US dollars. The government's focus on organic and natural farming was also highlighted, with a separate mission and budget provision of **Rs. 1500 crore** for the promotion of eco-friendly agriculture. Shri Tomar expressed appreciation for the scientists and farmers' invaluable service in making India not only self-sufficient but also an exporter of food items.

Shri Rupala praised ICAR for its revolutionary achievements in the dairy and fisheries sectors. He emphasized the need to explore opportunities for earning carbon credits from agriculture, which could provide additional income. As part of the event, he inaugurated an exhibition showcasing innovative technologies developed by 113 ICAR research institutes.

Shri Choudhary shared his perspective and lauded ICAR's contributions. He emphasized the importance of strategizing and setting milestones for agricultural advancement, as ICAR approaches its centenary year in five years.

Dr. Himanshu Pathak, Secretary (DARE) and Director General (ICAR), highlighted the unprecedented growth in the agricultural sector. He emphasized that India not only achieved self-sufficiency in food grain production but also became a major exporter of agricultural products. During his presentation, Dr. Pathak showcased **ICAR's** achievements, which included the development of 346 varieties of food grains, 99 varieties of horticultural crops, mapping of efficient cropping system zones, fertigation schedules for 24 crops, 28 new equipment and machinery innovations, as well as vaccines for diseases such as coronavirus and lumpi.

He also mentioned the signing of 58 patents and 711 technology licensing agreements by agricultural scientists from various industries. In line with promoting agricultural innovation for commercialization, Scientist-Industry interface meetings were organized as a side event.

Shri Sanjay Garg, Additional Secretary (DARE) & Secretary ICAR, delivered the welcome address, and the event saw the participation of members of the ICAR Governing Body, senior officials, directors of ICAR institutes, scientists, vice-chancellors of state agricultural universities, farmers, and agripreneurs.

This year marked the first celebration of **Foundation Day as Technology Day**. To showcase ICAR's technologies for the benefit of farmers, students, and the agri-industry, an exhibition has been organized and will remain open to the public from July 16 to 18, 2023. The exhibition aims to raise awareness about the innovative strides made by ICAR.

With ICAR's unwavering commitment to agricultural progress and technological advancements, India's agricultural sector is poised to reach new heights, ensuring food security and prosperity for the nation.

Date

Delhi, Published on: 17 July 2023 14:00 PM

Source

[Suneha Mishra](#)

# ICAR's 95th Foundation Day: Narendra Singh Tomar Applauds its 94-Year Journey & Achievements

**ICAR's 95th Foundation Day:** The Indian Council of Agricultural Research ([ICAR](#)) celebrated its momentous 95th Foundation Day at the National Agriculture Science Complex in Pusa, New Delhi.

The event was graced by the presence of Narendra Singh Tomar, Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, and President of ICAR Society, as the Chief Guest.

Parshottam Rupala, Union Minister for Fisheries, Animal Husbandry – Dairying, and Kailash Choudhary, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, were also present to mark the occasion. Tomar praised the historic journey of ICAR and acknowledged its remarkable achievements over the past 94 years. He highlighted that India has become a surplus nation in terms of food grains, catering to the needs of 80 crore people across the country.

He attributed this success to the encouragement and support from the Prime Minister, which has led to the promotion of new agricultural technologies through various mission programs, ultimately benefiting the farmers. The Minister also commended India's agricultural exports, which have crossed 50 billion US dollars.

He further informed that the government is actively promoting organic farming and natural agriculture with a separate mission and a budget provision of Rs.1500 crore for the promotion of eco-friendly agriculture. Tomar extended his appreciation to the farmers and scientists for their dedicated service, making India not only self-sufficient but also a notable exporter of food items.

Rupala lauded ICAR for its revolutionary contributions to the dairy and fisheries sectors. He emphasized the potential of earning carbon credits from agriculture, which could serve as an additional source of income for the nation. During the event, Rupala inaugurated an exhibition showcasing innovative technologies developed by 113 ICAR research institutes.

Choudhary shared his vision for ICAR, noting that the institution will complete 100 years in just 5 years. He urged the need to strategize and set milestones for the advancement of agriculture to be achieved in its centenary year.

Dr. Himanshu Pathak, Secretary (DARE) and Director General (ICAR), highlighted the unprecedented growth in the agriculture sector, emphasizing that India is now self-sufficient in food grain production and also a significant exporter of agricultural products. Dr. Pathak presented some remarkable achievements made by ICAR, including the development of 346 varieties of food grains, 99 varieties of horticultural crops, efficient mapping of cropping system zones, fertigation schedules for 24 crops, and the creation of 28 new agricultural equipment and machineries.

Additionally, he mentioned the development of vaccines for diseases like coronavirus and lumpi, new diagnostics, breeding protocols for fish breeds, conducting 47,088 on-farm trials, and 2.99 lakh front-line demonstrations on new technologies. Furthermore, ICAR scientists have been actively collaborating with different industries, resulting in 58 patents and 711 technology licensing agreements, further promoting agricultural innovations for commercialization.

The event also witnessed an engaging exhibition that showcased various ICAR technologies, benefitting farmers, students, and agri-industries. For the first time, the Foundation Day was celebrated as Technology Day, which opened the exhibition to the public from 16-18 July 2023, with the aim of raising awareness about the cutting-edge innovations achieved by ICAR.

The event saw the presence of Members of the ICAR Governing Body, Senior Officials of ICAR Headquarters, Directors of ICAR Institutes, Scientists, Vice-Chancellors of State Agricultural Universities, and esteemed farmers and agri-preneurs.

**Date**

[17 July 2023](#)

**Source**

UI News Desk, [Agriculture](#), [Event News](#), [India](#)



# ICAR to promote technology to address challenges of climate change

**Dr. Pathak said 731 Krishi Vigyan Kendras provide advisory and technical know-how to farmers for faster spread of new technologies in the sector.**

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has adopted multi-pronged steps to address the challenges created by climate change and these steps, based on technology, will help farmers and governments build resilience, said its Director-General Himanshu Pathak. Talking to reporters in New Delhi on July 17 on the 95th Foundation and Technology Day of ICAR, Dr. Pathak said 731 Krishi Vigyan Kendras provide advisory and technical know-how to farmers for faster spread of new technologies in the sector. He added that the steps are not just limited to agriculture, but can be used in horticulture, natural resource management, animal husbandry and fisheries too. He said the Centre has taken efforts to bring more attention to agriculture education and make ICAR function as a global university to impart quality education in agriculture. “This will help in creation of human resource in agriculture with par excellence capabilities,” he added. The ICAR, he said, has always appreciated technology developers in the area of production system, plant protection, horticulture, engineering and education. “Efforts are made for capacity building of farmers for large-scale adoption of technologies for increasing production, productivity and quality of agricultural produce and further attaining income security,” he said.

He said ICAR has developed several new varieties of seeds of paddy which would be given to neighbouring countries such Nepal and Bangladesh under the proposed “Seeds Without Border” programme. “ICAR institutes have helped in strengthening the agriculture education system in Myanmar and Afghanistan. According to the changing circumstances, India is working at the international level to address the kind of changes taking place in the agriculture sector,” he said.

| Date  | Source                           |
|---|----------------------------------|
| July 18, 2023 12:06 am   Updated 12:07 am IST - New Delhi | <a href="#">THE HINDU BUREAU</a> |

# For the first time, ICAR to open its doors for joint research with private sector

## Plans to take up collaborative projects in education, extension

Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has for the first time decided to allow the private sector in joint research, while there are plans to take up collaborative projects in education for which detailed guidelines will be ready in the next two months. Briefing media at the concluding day of the Foundation Day celebration, ICAR's Director-General Himanshu Pathak said the research will be conducted jointly after an agreement is signed with a company and the technology once developed will be owned jointly by both ICAR and the private company. Any royalty from the distribution of technology will also be shared by both equally, he said.

Asked about the affordability of such technology for small and marginal farmers, which constitute 86 per cent of the farming population, he said there would not be any problem and it could be cheaper than what private companies offer when developed on their own. He stressed that the public sector research would also continue, parallelly and it will be an option for the private sector to collaborate.

### MoU with 13 firms

The Director-General said the current programme of distribution of technology through private sector companies and the contract research programme would also continue. Technologies developed by ICAR are distributed through interested private companies who pay royalties to the institute whereas any private sector company may undertake a research through an ICAR institute by funding a programme with the rights over the technology for some fixed years, whenever it is developed.

ICAR announced on Tuesday that it has signed MoUs with 13 companies for the transfer of 17 technologies. In 2022-23, as many as 125 such MoUs were signed.

Agriinnovate India Limited (AgIn), the commercial arm of ICAR, acts as an interface between ICAR research institutes/NARS and various public/private stakeholders. The MoUs signed by AgIn on behalf of ICAR, will fetch the government ₹1.21 crore as license fees to be paid by the companies, officials said. "HT (Herbicide-tolerant) trait donor rice genotype" technology, developed by IARI (Pusa institute), has been transferred to Leadbeter Seeds (a subsidiary of Mahyco Grow). Two technologies for potato minitubers production — aeroponics technology and In-vitro plant acclimatisation technology, developed by CPRI, Shimla, has been transferred to UniAgri Biosciences of Punjab.

Gurugram-based IPL Biologicals has got technology for a novel method of storing and delivering PGPR/microbes through biocapsules, as well as another bioformulation technology entitled "CSR GROW-SURE- A Biomsart Bio-Consortia for Enhancing the Productivity of Agri-Horticultural Crops in Salt-Affected Soils" and also Bioformulation entitled "Consortia Microbial Formulations for Salt Affected Soils: Halo-MIX".

On the private participation in education and extension, officials said guidelines are yet to be framed and it may be finalised at the earliest.

| Date   | Source   |
|--|--|
| Updated - July 18, 2023 at 09:33 PM.   New Delhi | <a href="#">Agri Business</a><br>BY PRABHUDATTA MISHRA |

सवालियों को लेकर उनकी आलोचना करता रहता है, जिससे भारत अमारका क प्रति हमेशा सशक्त रहता है। लेकिन फ्रांस ऐसा यूरोपीय देश है, जिसके साथ भारत बहुत सहज महसूस करता है।

## कृषि क्षेत्र में मुकाबला

**ज**लवायु परिवर्तन कृषि क्षेत्र में उत्पादन व उत्पादकता को सतत बनाए रखने की एक गंभीर चुनौती है। यह केवल भारत जैसे कृषि प्रधान देश तक सीमित नहीं है-पूरे विश्व तक फैली है। इससे पुराने तौर-तरीकों से नहीं निबटा जा सकता। इन बदलावों को सहन करने वाले खाद्यान्नों की नई किस्म विकसित करनी होगी और उनकी सिंचाई के नियमित संसाधनों पर विशेष ध्यान देना होगा। यह अच्छी बात है कि सरकार भी इस पर गंभीरतापूर्वक सोच रही है। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर कहते हैं कि इसके अनुरूप फसलों की नयी-नयी किस्में विकसित की गई हैं। कृषि अनुसंधान परिषद के 95वें स्थापना व औद्योगिकी दिवस पर उन्होंने कहा कि इसके लिए मृदा की उर्वरकता पर ध्यान देना होगा, जो रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से नष्ट हो गई है और वैकल्पिक जैविक व प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना होगा। यह तरीका



जलवायु-बदलावों का बेहतर सामना कर सकता है। जैविक व प्राकृतिक उत्पाद बाजार में उपलब्ध हो रहे हैं पर वे इतने महंगे हैं कि आमजन की थाली में नहीं आ सकते। ऐसा इन खाद्य पदार्थों की कीमतों पर सरकार का नियंत्रण न होने के चलते है। परंतु सरकार इस खेती को व्यापक पैमाने पर बढ़ावा दे तो उनके पुष्टिकारक उत्पादों तक सबकी पहुंच हो सकती है। इसके साथ, खेती-किसानी की मूल समस्या बढ़ती लागत और पैदावारों के उचित मूल्य न मिलने पर भी ध्यान देना होगा। बाढ़, सूखा, पाला गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं से भी खेती को महफूज रखने के ठोस इंतजामात को भी जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में शामिल करना चाहिए। यह ध्यान में रखते हुए कि दुनिया के खान-पान विशेषज्ञ भारतीय भोजन की थाली को विविधतापूर्ण, स्वादिष्ट एवं सेहतमंद मानते हैं। इसी वजह से 2022 के बेस्ट ग्लोबल कुजिन्स की सूची में भारतीय व्यंजनों को पांचवीं श्रेणी मिली है। हालांकि कुछ विशेषज्ञ हमारी थाली को उतना पोषण-क्षम नहीं मानते। मगर जैसा कि कृषि मंत्री ने कहा यदि हम इन आवश्यकताओं को समझते हुए उत्पादन व उत्पादकता को बेहतर करने के प्रयास करते हैं तो जल्द ही हमारी भोजन की थाली पोषण से भरपूर हो सकेगी। साथ ही, कृषकों-उपभोक्ताओं को उचित मूल्य में चीजें मुहैया कराने के सरकारी प्रयासों को उचित धरातल मिल सकती है। नित नये व वैज्ञानिक प्रयोगों व प्रयासों से होने वाले परिवर्तन तमाम चुनौतियों से जूझने की राह प्रशस्त कर सकेंगे।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

पी-वेडिंग किड्स भी

# केंद्रीय कृषि मंत्री के आतिथ्य में हुआ आईसीएआर के 95वें स्थापना दिवस समारोह का समापन



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्थापना दिवस समारोह का समापन आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। यहां श्री तोमर ने कहा कि कृषि व खाद्य सुरक्षा के संबंध में वर्तमान व भविष्य की चुनौतियों के समाधान में आईसीएआर के वैज्ञानिकों की महती जिम्मेदारी है, इनमें वे सफल हों। साथ ही वैज्ञानिकों का अनुसंधान आमजन के ध्यान में भी आए, वे और प्रशंसा के पात्र बनें, इस दृष्टि से स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने की सार्थकता है।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हमारे कृषि प्रधान देश में किसानों के अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों के अनुसंधान व केंद्र एवं राज्यों की किसान हितैषी नीतियों के कारण हमारा देश आज

खाद्यान्न अतिशेष बन चुका है तथा अधिकांश कृषि उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में नंबर एक या दो पर है। श्री तोमर ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों का दूरगामी दृष्टिकोण भारत को हर विधा में नंबर एक पर पहुंचाने का है और इस दिशा में आईसीएआर के संस्थानों से लेकर देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों तक, सभी वैज्ञानिक प्रयत्नशील है। कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सब लोगों के सामने है, सारी दुनिया इससे जूझ रही है। जलवायु परिवर्तन के दौर में जिन बीजों

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 18.07.2023 | <a href="https://www.chinimandi.com/icars-95th-foundation-day-celebrations-conclude-in-the-hospitality-of-the-union-agriculture-minister-in-hindi/">https://www.chinimandi.com/icars-95th-foundation-day-celebrations-conclude-in-the-hospitality-of-the-union-agriculture-minister-in-hindi/</a> |



**नई दिल्ली:** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्थापना दिवस समारोह का समापन आज यानि 18 जुलाई को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

यहां श्री तोमर ने कहा कि कृषि व खाद्य सुरक्षा के संबंध में वर्तमान व भविष्य की चुनौतियों के समाधान में आईसीएआर के वैज्ञानिकों की महती जिम्मेदारी है, इनमें वे सफल हों। साथ ही वैज्ञानिकों का अनुसंधान आमजन के ध्यान में भी आए, वे और प्रशंसा के पात्र बनें, इस दृष्टि से स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने की सार्थकता है।

यह भी पढ़ें : [कोयला और लिग्नाइट खानों की स्टार रेटिंग के लिए पंजीकरण की तिथि को बढ़ाया गया: पढ़ें पूरी खबर](#)  
केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हमारे कृषि प्रधान देश में किसानों के अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों के अनुसंधान व केंद्र एवं राज्यों की किसान हितैषी नीतियों के कारण हमारा देश आज खाद्यान्न अतिशेष बन चुका है तथा अधिकांश कृषि उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में नंबर एक या दो पर है। श्री तोमर ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों का दूरगामी दृष्टिकोण भारत को हर विधा में नंबर एक पर पहुंचाने का है और इस दिशा में आईसीएआर के संस्थानों से लेकर देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों तक, सभी वैज्ञानिक प्रयत्नशील हैं।

कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सब लोगों के सामने है, सारी दुनिया इससे जूझ रही है। जलवायु परिवर्तन के दौर में जिन बीजों की ज़रूरत है तथा खाद्यान्न-बागवानी, पशुपालन, मत्स्यपालन क्षेत्र में भी दूरगामी सोच व आपूर्ति की अपेक्षा के अनुरूप हमारे वैज्ञानिक काम कर रहे हैं, उनकी सफलता का विश्वास है। श्री तोमर ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उद्घाटन समारोह के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 17 समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। साथ ही, आईसीएआर एवं वैज्ञानिकों को परामर्शदाता के रूप में आगे आने के लिए भागीदारों द्वारा रुचि की अभिव्यक्ति भी की गई है।

*ICAR के 95वें स्थापना दिवस समारोह का समापन*

| Date                       | Source           |
|----------------------------|------------------|
| Tue , 18 Jul 2023, 5:53 pm | Psu Express Desk |

सरकारी अधिसूचना

# केंद्रीय कृषि मंत्री के आतिथ्य में हुआ आईसीएआर के 95वें स्थापना दिवस समारोह का समापन



By JARA News Media

Posted on July 18, 2023

Share If you like it



केंद्रीय कृषि मंत्री के आतिथ्य में हुआ आईसीएआर के 95वें स्थापना दिवस समारोह का समापन

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 18.07.2023 | <a href="https://www.chinimandi.com/icars-95th-foundation-day-celebrations-conclude-in-the-hospitality-of-the-union-agriculture-minister-in-hindi/">https://www.chinimandi.com/icars-95th-foundation-day-celebrations-conclude-in-the-hospitality-of-the-union-agriculture-minister-in-hindi/</a> |

## बोआई कम होना अभी चिंता का विषय नहीं : तोमर

आंकड़ों के मुताबिक 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान खरीफ फसलों की बोआई रफ्तार में आई है।

 संजीव मुखर्जी – July 18, 2023 10:39 PM IST

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज कहा कि धान की रोपाई और कुछ दलहन की बोआई (sowing of pulses) कम होने के बारे में सरकार को जानकारी है, लेकिन यह चिंता की बात नहीं है, क्योंकि मॉनसून सक्रिय है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्थापना और तकनीक दिवस के अवसर पर तोमर ने कुछ संवाददाताओं से अलग से बात करते हुए कहा, 'फसलों पर मॉनसून के असर के बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी। हम स्थिति से वाकिफ हैं। अभी मॉनसू सक्रिय है और देश के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो रही है। मुझे लगता है कि फिलहाल अभी कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है।'

तोमर का बयान ऐसे समय में आया है, जब उत्तर भारत के कुछ इलाके भारी बारिश से तबाह हैं जबकि दक्षिण और पश्चिम भारत में मॉनसूनी बारिश सामान्य से बहुत कम है।

**अरहर, सोयाबीन और कपास की बोआई सामान्य से बहुत कम**

आंकड़ों के मुताबिक 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान खरीफ फसलों की बोआई रफ्तार में आई है। उत्तर और मध्य भारत के कुछ इलाकों में मॉनसून सक्रिय होने की वजह से पहले के सप्ताह की तुलना में बोआई की कमी का अंतर कुछ घटा है।

लेकिन अभी भी अरहर, सोयाबीन और कपास की बोआई सामान्य से बहुत कम है, क्योंकि 2 प्रमुख उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक में बारिश कम हुई है।

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 18.07.2023 | <a href="https://hindi.business-standard.com/todays-epaper/low-sowing-is-not-a-matter-of-concern-now">https://hindi.business-standard.com/todays-epaper/low-sowing-is-not-a-matter-of-concern-now</a> |

# ICAR ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई दिल्ली में अपना 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस मनाया

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 16-18 जुलाई 2023 तक राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई दिल्ली में अपना 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। इस अवसर पर, शानदार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और जिसने किसानों, छात्रों, उद्योग, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया है। इस प्रदर्शनी में आईसीएआर द्वारा विकसित की गई नई प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम के दूसरे दिन, विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की और कृषि, बागवानी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पशुपालन और मत्स्य पालन पर 118 आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित नए नवाचारों से अवगत हुए।

डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (डेयर) और महानिदेशक (आईसीएआर) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए 95वें स्थापना दिवस के आयोजन के मूल उद्देश्य का वर्णन किया और बताया कि आईसीएआर कई प्रौद्योगिकियों के निर्माण में सफल रहा है जिन्हें बड़े पैमाने पर अपनाने और व्यावसायीकरण के लिए प्रसारित करने की आवश्यकता है। लाभार्थियों तक ऐसी बहुमूल्य जानकारी पहुंचाने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के साथ मनाने का प्रयास किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों, अन्य हितधारकों के बीच प्रभावशाली नवाचारों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

| Date       | Source  |
|------------|---|
| 18.07.2023 | <a href="https://insamachar.com/icar-celebrates-its-95th-foundation-and-technology-day-at-national-agricultural-science-complex-pusa-new-delhi/">https://insamachar.com/icar-celebrates-its-95th-foundation-and-technology-day-at-national-agricultural-science-complex-pusa-new-delhi/</a> |



Ludhiana

शरवाद उमूर तनकीह तलब  
5 कायदा 1 व 5)  
अधिकारी कोमर्शियल कोर्ट द्वितीय,  
संख्या 118/2023  
द्वितीयकृत बैंक जो कि बैंकिंग  
के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है, जिसका  
2 जया चमरा जेन्डा रोड़ बैंगलोर  
जिसकी एक शाखा आर.डी.सी.  
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक श्री राकेश  
वादी  
बनाम  
श्री डी.सेज, के.ए. 1, कर्पूरीपुरम  
वर्स्ट्री श्री सौरभ यादव अपोजिट  
विन्डपुरम, गाजियाबाद, जिला  
शोपराईटर मैसर्स कांन्डा स्कूल  
23, संजय नगर, गाजियाबाद,  
(कं।)  
प्रतिवादीगण।  
नाम एक नालिश बावत धन  
37/- के दायर की है लिहाजा  
आप बतारीख 25 माह 08  
बजे दिन के असालतन अथवा  
मुकदमे के हालात से कथर  
हो और कुल उमूरात अहम  
जवाब दे सकें, या जिसके साथ  
के जवाब ऐसे सवालात का दे  
वही दावा की करे और आपको  
अपने जुमला दस्तावेजात पेश  
करे और अपनी जवाबदेही के  
है कि अगर आप बरोज  
मुकदमा बगैर हाजिरी आप  
अदालत के आज बतारीख  
जरी किया गया।  
नुसार, 80 मुंसरिम।  
गौतम बुद्ध नगर।

पैसे का भुगतान संभव हो सकेगा। अमित शाह ने कहा प्रामाणिक निवेशक के साथ अन्याय की गुंजाइश ना हो।

**COURT NOTICE**  
( complaint - 138 negotiable instrument act)  
In The Court Of sh.  
Lovepreet Kaur Swaich  
Judicial Magistrate 1st Class  
Ludhiana  
**Kotak Mahindra Bank  
Vs.  
S. M. Saravanakumar**  
CNR NO: PBLD03-058589-2020  
COMA/ 10528/2020  
Notice To: 1. S. M. Saravanakumar  
@ saravanakumar s. m. r/o new  
10, old 23 janakiram colony extn.  
arumbakkam, chennai - 600106 ( Tamil Nadu)  
In above titled case, the defendant (s)/  
respondent(s) could not be served. It  
is ordered that defendant (s)/  
respondent(s) should appear in  
person or through counsel on 25-08-  
2023 at 10:00 a.m.  
for details logon to:  
<https://highcourtchd.gov.in/?trs=district-notice&district=ludhiana>  
Judicial Magistrate 1st Class  
Ludhiana

[ कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के  
नियम 30 के अनुपालन में ]  
एक राज्य से दूसरे राज्य में कम्पनी के  
पंजीकृत कार्यालय के परिवर्तन के लिये  
समाचार पत्र में प्रकाशन के लिए धिज्ञापन  
क्षेत्रीय निदेशक उत्तरी क्षेत्र नई दिल्ली के समक्ष

# व्यावसायीकरण की दिशा में आगे कदम बढ़ाने की जरूरत : महानिदेशक

जनसत्ता ब्यूरो  
नई दिल्ली, 18 जुलाई।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने कहा कि परिषद ने कई प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक तैयार किए हैं। इन्हें बड़े पैमाने पर अपनाते हुए व्यावसायीकरण की दिशा में आगे कदम बढ़ाने की जरूरत है। परिषद के 95 वें स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस के समापन के मौके पर महानिदेशक ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए कृषि में नवाचारों के महत्त्व के बारे में रुचि और जागरूकता पैदा करने के लिए पहली बार प्रदर्शनी आयोजित की गई।

कृषि शिक्षा पर अधिक ध्यान देने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए परिषद को वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करने के प्रयास किए गए हैं। इससे गुणवत्ता मानव संसाधनों के विकास में सहायता मिलेगी। परिषद द्वारा विकसित कई प्रौद्योगिकियों से कृषि उपज के उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता और किसानों की आय सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है।

परिषद ने कई नई किस्में विकसित की हैं। इनके लिए आसपास के कई देश संयुक्त कार्य समूह की स्थापना के जरिए लाभ उठा सकते हैं और प्रस्तावित नया कार्यक्रम 'सीड्स विदाउट बार्डर' है।

## गुमशदा / अपहृत की तलाश

## ICAR foundation day celebration showcases cutting-edge farming technologies

The Indian economy is predominantly agrarian, as evidenced by recent figures on student admissions in agricultural courses. The number of students enrolled in agriculture universities has increased fivefold in the past few years, as highlighted by the director of ICAR. Union Minister of Agriculture, Narendra Singh Tomar, expressed his appreciation for the rise in the number of female students enrolled.

The three-day-long celebration of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Foundation Day concluded today at the National Agriculture Science Complex, PUSA, New Delhi. This year's foundation day coincided with the technology day, resulting in the exhibition of various stalls showcasing new farming technologies and gadgets. Additionally, a range of products were available for sale.

The director emphasized the signing of 17 Memorandums of Understanding (MoUs) in the last 15-20 days for technology transfer. Agreements have been signed for bioformulations, oilseed research formulation, and several other areas. He mentioned that there are another 100-150 MoUs in the pipeline with private companies.



| Date       | Source  |
|------------|---|
| 19.07.2023 | <a href="https://www.thestatesman.com/india/icar-foundation-day-celebration-showcases-cutting-edge-farming-technologies-1503201783.html">https://www.thestatesman.com/india/icar-foundation-day-celebration-showcases-cutting-edge-farming-technologies-1503201783.html</a> |
|            |   |

Statesman 19/7/23

02

The Statesman

NEW DELHI, WEDNESDAY 19 JULY 2023



The leaders of BJP have used Ram and Hanuman and now use Bageshwar Baba. They do politics only on these lines which is no way near to the real issues like unemployment, price rise etc...

SURESH YADAV  
BIHAR MINISTER

Capital

## 'Five fold rise in number of women students in agriculture universities'

SIYA CHOPRA

NEW DELHI, 18 JULY

The Indian economy is predominantly agrarian, as evidenced by recent figures on student admissions in agricultural courses. The number of students enrolled in agriculture universities has increased five fold in the past few years, as highlighted by the director of ICAR. Union Minister of Agriculture, Narendra Singh Tomar, expressed his appreciation for the rise in the number of female students enrolled.

The three-day-long celebration of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Foundation Day concluded today at the National Agriculture Science Complex, PUSA, New Delhi. This year's foundation day coincided with the technology day, resulting in the exhibition of various stalls showcasing new farming technologies and gadgets. Additionally, a range of products were available for sale.

The director emphasised the signing of 17 Memorandums of Understanding



(MoUs) in the last 15-20 days for technology transfer. Agreements have been signed for bioformulations, oilseed research formulation, and several other areas. He mentioned that there are another 100-150 MoUs in the pipeline with private com-

panies.

While congratulating the ICAR team, Union Minister Narendra Tomar expressed his gratitude to the farmers, startups, and the new generation present at the event.

He conveyed India's vision of becoming the leading agri-

cultural power. To achieve this vision, scientists have been conducting intensive research on crops, livestock, and methods to improve their yield.

Tomar also expressed deep concern over the unprecedented rainfall that has caused havoc in northern India, emphasising the need for preparedness in the face of upcoming challenges.

The exhibition featured stalls showcasing various fields such as mechanization, precision and value-added farming, innovative poultry, and climate-resilient farming, among others. One stall displayed a robotic apple harvester, which simplifies the harvesting process. Another showcased a machine that monitors the temperature, humidity, and other factors of stored fruit to ensure optimal conditions during transportation.

As India celebrates the International Year of Millets, the Union Minister commended the efforts of Indian farmers and scientists in establishing India as the largest grower of millets.

Business Standard  
19/7/23

## RafaleM, Scorpene techno-commercial negotiations not over

The negotiations on cost and techno-commercial details relating to India's proposed procurement of 26 RafaleM fighter jets and three Scorpene submarines from France are not yet concluded, sources said on Tuesday.

The Defence Acquisition Council, the defence ministry's apex body for military procurement, approved the proposals to acquire the naval variant of the Rafale jets and the submarines on July 13.

There was anticipation of formal announcements on

the two deals during PM Narendra Modi's visit. However, there was no specific mention of the two procurement projects in the final joint document.

The sources said too much should not be read into the two projects not finding a mention in a 25-year road map brought out by the two sides. "You shouldn't read too much into it," said a source, adding the final deals will be sealed after conclusion of negotiations on cost and techno-commercial aspects. PTI

### IN BRIEF

## PM likely to address annual UNGA session in September

Prime Minister Narendra Modi is likely to address the annual session of the UN General Assembly (UNGA) in September, according to a provisional list of speakers. The General Debate of the 78th session of the UN General Assembly will begin September 19, with Brazil as the traditional first speaker followed by the UK

# ICAR may partner pvt players for joint research

### Guidelines for private participation in 2 months

SANJEEB MUKHERJEE  
New Delhi, 18 July

In a first, India's premier state-run body for coordinating, guiding, and managing research and education in agriculture, horticulture, fisheries, and animal sciences, the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), is planning to open the door to the private sector across the entire value chain of farming — from joint seed development, collaboration in research, and extension services to marketing.

The ICAR institutes are also looking to open their facilities, laboratories, and fields to joint research with the private sector in seed development and other connected sectors and will also look at royalty-sharing of patented products with the private sector.

The same could happen the other way round as well.

The collaboration will start right from the basics of problem identification in any sphere of farming or relat-

ed activities like livestock, fisheries, and animal husbandry.

"The council is planning to come up with a set of comprehensive guidelines for private-sector participation in the entire value chain of agriculture in the next two months," ICAR Director-General Himanshu Pathak told *Business Standard*.

He was addressing a select group of reporters on the sidelines of the council's 95th foundation and technology day.

As per ICAR website, with 113 institutes and 71 agricultural universities spread across the country, the Council is one of the largest national agricultural systems in the world.

It played a pioneering role in ushering in the Green Revolution and subsequent developments in agriculture in India through its research and technology development, enabling the country to increase the production of foodgrain, horticulture crops, fish, and eggs since 1950-51.

So far, the council and its affiliated

## 'Sowing deficit no cause for concern so far'

Agriculture Minister Narendra Singh Tomar on Tuesday assured that the government was keeping a keen eye on the sowing deficit in paddy and certain pulses, and maintained that there was no cause for concern as the monsoon remains active.

"It is too premature to comment on the impact of monsoon. We are cognisant of the current scenario, and considering the monsoon

coverage, which is heavy in some regions, I believe there's no need for alarm," Tomar communicated to a select group of reporters during the 95th foundation and

technology day of the Indian Council of Agricultural Research. His remarks came on the heels of several areas in North India experiencing heavy rainfall, while parts of South, West India have seen a deficit.

SANJEEB MUKHERJEE



institutes have licensed products and innovations to private companies for extension and commercialisation and have done contract research with them across several fields.

"This time, we are looking at a much deeper engagement with the private sector that will include opening up our research facilities to private scientists and companies, developing

joint products and even sharing royalty for co-produced products," said Pathak. He said the government was keen that the private and public sectors work jointly for the furtherance and growth of Indian agriculture.

In the recent past, ICAR — through its affiliated research institutes — has signed 17 memoranda of understanding with the private sector in different

fields and spheres that include crop-science, livestock, feed development, etc. Last year, the council developed and released 346 new varieties of crops, of which roughly 100 varieties were of horticulture crops.

"Nearly 250 varieties were of climate-resistant crops which can withstand adverse climatic conditions," said Pathak.

He said ICAR was also working to develop a robust carbon credit market in the country for agriculture as it is one of the prominent greenhouse gas emitters.

A K Singh, director of the Indian Agricultural Research Institute, said joint ventures have been formed with private companies and ICAR institutes to develop protocols for measurement of carbon credits generated and assessing the claims made by farmers to arrive at a fair value. "In the next 10 years, we should aim at making the same amount of money through carbon credit trading in paddy as we do in exporting it," said Pathak.

He said the council was also looking at a policy on revamping *krishi vigyan kendras*.

# For the first time, ICAR to open its doors for joint research with private sector

**Prabhudatta Mishra**

New Delhi

Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has for the first time decided to allow the private sector in joint research, while there are plans to take up collaborative projects in education for which detailed guidelines will be ready in the next two months.

Briefing media at the concluding day of the Foundation Day celebration, ICAR's Director-General Himanshu Pathak said the research will be conducted jointly after an agreement is signed with a company and the technology once developed will be owned jointly by both ICAR and the private company. Any royalty from the distribution of technology will also be shared by both equally, he said.

Asked about the affordabil-



Himanshu Pathak,  
Director-General, ICAR

ity of such technology for small and marginal farmers, which constitute 86 per cent of the farming population, he said there would not be any problem and it could be cheaper than what private companies offer when developed on their own.

## **MOU WITH 13 FIRMS**

He stressed that the public sector research would also continue, parallelly and it will

be an option for the private sector to collaborate.

The Director-General said the current programme of distribution of technology through private sector companies and the contract research programme would also continue.

Technologies developed by ICAR are distributed through interested private companies who pay royalties to the institute whereas any private sector company may undertake a research through an ICAR institute by funding a programme with the rights over the technology for some fixed years, whenever it is developed.

ICAR announced on Tuesday that it has signed MoUs with 13 companies for the transfer of 17 technologies. In 2022-23, as many as 125 such MoUs were signed.

Agrinnovate India Limited (AgIn), the commercial arm

of ICAR, acts as an interface between ICAR research institutes/NARS and various public/private stakeholders.

The MoUs signed by AgIn on behalf of ICAR, will fetch the government ₹1.21 crore as license fees to be paid by the companies, officials said.

“HT (Herbicide-tolerant) trait donor rice genotype” technology, developed by IARI (Pusa institute), has been transferred to Leadbeter Seeds (a subsidiary of Mahyco Grow). Two technologies for potato minitubers production — aeroponics technology and In-vitro plant acclimatisation technology, developed by CPRI, Shimla, has been transferred to UniAgri Biosciences of Punjab.

On the private participation in education and extension, officials said guidelines are yet to be framed and it may be finalised at the earliest.

# KVK Srinagar commemorates 95 th ICAR Foundation Day

**Sinagar, July 18:** As part of celebration of 95 th ICAR Foundation Day, KVK Srinagar organised an event, which witnessed a confluence of scientists, representatives of line departments and farmers from different blocks of district Srinagar.

The event showcased Kendra achievements, innovations, and impactful stories that have improved the lives of farmers. The programme included informative seminars, interactive and engaging sessions that highlighted the remarkable strides made in various areas, such as crop improvement, livestock production, post- harvest technology, home science, floriculture and agri-entrepreneurship.

During the event, scientists of the Kendra shared their insights, experiences and success stories, inspiring participants and fostering knowledge exchange. For wider visibility of achievements and products developed by the Kendra, an array of different exhibits was put on display for the participating farmers.

| Date                                   | Source                          |
|--|---------------------------------|
| Published on :<br>19 Jul 2023, 3:23 am | <a href="#">GK NEWS SERVICE</a> |

# ICAR Scientists' Role is Crucial in Addressing Agricultural & Food Security Challenges: Tomar

Minister Tomar underlined the importance of ICAR scientists in addressing food security issues, and he also talked with students from several Delhi schools, encouraging their interest in agricultural science.

The closing ceremony of the 95th Foundation Day of the Indian Council of Agricultural Research ([ICAR](#)) took place today, with [Narendra Singh Tomar](#), the Union Minister for Agriculture and Farmer Welfare, as the chief guest. Tomar stated that ICAR scientists have a significant responsibility in finding solutions to the current and future challenges related to agriculture and food security, and they must succeed in their endeavors. He emphasized the need for scientists to be attentive to the concerns of the general public, gain their appreciation, and celebrate Foundation Day as a meaningful occasion in terms of technology. Minister Tomar stated that due to the relentless efforts of our agricultural nation, the tireless work of farmers, the research conducted by scientists, and the farmer-centric policies of the central and state governments, our country has become surplus in food production today, and most agricultural products rank number one or two in the world. He expressed confidence in the far-sighted vision of our scientists to bring India to the top in every field and praised their diligent efforts, from ICAR institutions to agricultural science centers across the country. He acknowledged that the challenge of climate change in the agricultural sector is before all of us, and the whole world is grappling with it. He had faith in the success of our scientists who are working on long-term thinking and supply expectations in the field of seeds, food production, [horticulture](#), animal husbandry, and fisheries. Tomar expressed satisfaction that during the inaugural ceremony, discussions were held on 17 different agreements related to various subjects. He also mentioned that stakeholders expressed interest in involving ICAR and scientists as advisors. ICAR celebrated its [95th Foundation Day](#) on July 16, 2023, for the first time as Technology Day. An exhibition was organized to showcase the developed technologies and innovations by the council, aiming to inform and educate people. Farmers and individuals associated with agriculture and industry participated in the exhibition. Tomar reviewed the exhibition today. Students from various schools in Delhi also actively participated and interacted with scientists. Such efforts inspire students to engage in the field of agricultural science.

Dr. Himanshu Pathak, Director-General of ICAR, mentioned that during the event, side events were also organized, including scientific-industry interface meetings to promote agricultural innovations and commercialization. Farmers, startup representatives, and ICAR employees were also present at the program.

| Date   | Source  |
|--|---|
| Updated 19 July, 2023 11:05 AM IST <b>First published on: 18 July 2023 10:00 IST</b> | Krishi Jagran<br><a href="#">Shivam Dwivedi</a> |

# Business Standard ICAR to focus more on horticulture research to achieve higher growth: DG

## The minister was speaking virtually on the 95th foundation day of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR)

Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Director General Himanshu Pathak on Monday said the organisation will focus more on research in livestock, fisheries and horticulture to boost growth in these three sectors.

ICAR would continue to develop climate-resilient seed varieties to ensure crop production does not get affected due to climate change, he said, adding that emphasis would also be laid on the use of digital tools in farming, as well as post-harvest management of agriculture and horticulture crops.

Pathak said the research institute will invite private players to do joint research.

On Sunday, Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar asked ICAR's farm scientists to focus more on research in animal husbandry and fisheries to boost production and their contribution to the overall farm sector growth.

The minister was speaking virtually on the 95th foundation day of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR).

"Our research work is not limited to crops only. Livestock and fisheries have always been important. There are 15 institutes across the country which focus only on animal science and there are 8 research institutes for fisheries.

"In recent years, the growth of livestock, fisheries and horticulture sectors has been higher. We will focus more on these sectors so that we achieve higher growth and farmers also get benefits,"

Pathak told PTI on the sidelines of its 3-day celebration of 95th Foundation and Technology Day (July-16-18) at Pusa campus here.

The ICAR DG highlighted that the fisheries sector is growing at nearly 9 per cent while the growth of animal husbandry and horticulture sectors are also higher than crops.

Talking about the challenge of climate change, Pathak said the ICAR has developed more than 6,000 seed varieties, of which nearly 1,900 varieties are climate-resilient.

He said there are certain wheat varieties which can deal with a sudden rise in temperature during winter (January-February).

Pathak said the ICAR has also developed many varieties of paddy and other crops that are resilient to both drought and flood.

"We have decided that there will be some trait of climate resilience in all seed varieties of agriculture and horticulture crops," he added.

Pathak also stressed strengthening the collaboration with private players.

"We have been collaborating with private parties. ICAR use to develop technology, and then we invite private players to commercialise the technologies. Now, we want that ICAR and private players should collaborate and work together to do research from the beginning to solve problems of agriculture and allied sector," he said.

The ICAR DG said the council would also promote precision agriculture and Artificial Intelligence.

He highlighted that the ICAR institutes, agriculture universities and Krishi Vigyan Kendras (KVKs) have started using drones.

Pathak said around 250 KVKs already have procured drones out of 731 KVKs across the country, and around 15,000 demonstrations were conducted last year to educate farmers. The remaining KVKs will also soon be provided with drones.

| Date  | Source                   |
|---|--------------------------|
| Wednesday, July 19, 2023  <br>03:27 PM IST <a href="#">EN</a>   <a href="#">Hindi</a> | <b>Business Standard</b> |



# ICAR to focus more on horticulture research to achieve higher growth: DG

## The minister was speaking virtually on the 95th foundation day of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR)

Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Director General Himanshu Pathak on Monday said the organisation will focus more on research in livestock, fisheries and horticulture to boost growth in these three sectors.

ICAR would continue to develop climate-resilient seed varieties to ensure crop production does not get affected due to climate change, he said, adding that emphasis would also be laid on the use of digital tools in farming, as well as post-harvest management of agriculture and horticulture crops.

Pathak said the research institute will invite private players to do joint research.

On Sunday, Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar asked ICAR's farm scientists to focus more on research in animal husbandry and fisheries to boost production and their contribution to the overall farm sector growth.

The minister was speaking virtually on the 95th foundation day of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR).

"Our research work is not limited to crops only. Livestock and fisheries have always been important. There are 15 institutes across the country which focus only on animal science and there are 8 research institutes for fisheries.

"In recent years, the growth of livestock, fisheries and horticulture sectors has been higher. We will focus more on these sectors so that we achieve higher growth and farmers also get benefits,"

Pathak told PTI on the sidelines of its 3-day celebration of 95th Foundation and Technology Day (July-16-18) at Pusa campus here.

The ICAR DG highlighted that the fisheries sector is growing at nearly 9 per cent while the growth of animal husbandry and horticulture sectors are also higher than crops.

Talking about the challenge of climate change, Pathak said the ICAR has developed more than 6,000 seed varieties, of which nearly 1,900 varieties are climate-resilient.

He said there are certain wheat varieties which can deal with a sudden rise in temperature during winter (January-February).

Pathak said the ICAR has also developed many varieties of paddy and other crops that are resilient to both drought and flood.

"We have decided that there will be some trait of climate resilience in all seed varieties of agriculture and horticulture crops," he added.

Pathak also stressed strengthening the collaboration with private players.

"We have been collaborating with private parties. ICAR use to develop technology, and then we invite private players to commercialise the technologies. Now, we want that ICAR and private players should collaborate and work together to do research from the beginning to solve problems of agriculture and allied sector," he said.

The ICAR DG said the council would also promote precision agriculture and Artificial Intelligence.

He highlighted that the ICAR institutes, agriculture universities and Krishi Vigyan Kendras (KVKs) have started using drones.

Pathak said around 250 KVKs already have procured drones out of 731 KVKs across the country, and around 15,000 demonstrations were conducted last year to educate farmers. The remaining KVKs will also soon be provided with drones.

| Date  | Source                   |
|---|--------------------------|
| Wednesday, July 19, 2023  <br>03:27 PM IST <a href="#">EN</a>   <a href="#">Hindi</a> | <b>Business Standard</b> |

# भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का स्थापना दिवस तकनीकी दिवस के रूप में मनाया

कृषि विज्ञान केन्द्र, राजसमंद (महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर) की ओर से 16 से 18 जुलाई तक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली का 95वां स्थापना दिवस तकनीकी दिवस के रूप में मनाया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ. पीसी रेगर ने बताया कि कार्यक्रम में पहले दिन रविवार को कृषि विज्ञान केन्द्र राजसमंद परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया। दूसरे दिन सोमवार को केन्द्र द्वारा गोद लिए गए गांव नवलपुरा में फलदार पौधों का रोपण किया गया। मंगलवार को कृषक उत्पादक संगठन के कार्यकर्ता का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र के दौरान आरसेटी नाथद्वारा के निदेशक दीपक गहलोत ने प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग गतिविधियों के बारे में बताया। द्वितीय सत्र के दौरान लीड बैंक अधिकारी सुरेश पाध्याय ने कृषि ऋण एवं केसीसी के बारे में जानकारी दी। बैंक अधिकारी ऋतु अग्रवाल ने साइबर क्राइम व इससे बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्र के तकनीकी सहायक गंगाराम ने केन्द्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों का भ्रमण करवाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के कुल 52 कृषक उत्पादक संगठन कार्यकर्ता एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. मनीराम ने आभार जताया।

| Date   | Source                  |
|--|-------------------------|
| Wednesday, July 19, 2023   03:27 PM IST <a href="#">EN</a>   <a href="#">Hindi</a> | भास्कर न्यूज़   राजसमंद |



आईसीएआर अब जलवायु परिवर्तन के अनुकूल किस्मों का विकास कर रहा है. ताकि भविष्य में जलवायु परिवर्तन का फसलों और बागवानी पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, आईसीएआर द्वारा जारी 250 किस्मों ऐसी किस्मों हैं जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति प्रतिरोधी हैं. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) अब जलवायु परिवर्तन के हिसाब से किस्मों विकसित कर रहा है. जिससे भविष्य में जलवायु परिवर्तन का फसलों और बागवानी पर प्रतिकूल प्रभाव ना पड़े इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक हिमांशु पाठक ने कहा कि 346 नई किस्मों जारी की गई हैं. इसमें बागवानी की 99 किस्मों हैं. आईसीएआर द्वारा जारी की गई 250 किस्मों ऐसी किस्मों हैं जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति सबसे जलवायु प्रतिरोधी हैं. उन्होंने कहा कि विकसित की गई इन किस्मों में उच्च तापमान, बीमारियों और सूखे से लड़ने की क्षमता है. डॉ. पाठक ने कहा कि पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए 30 प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं और कई टीके भी तैयार किए गए हैं, दुधारू पशुओं में फैलने वाली लम्पी बीमारी के लिए एक टीका तैयार किया गया है. यह जानकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस समापन समारोह के दिन एक संवाददाता सम्मेलन में दी गई.

## पीपीपी मॉडल से कृषि का तेजी विकास होगा

आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि आईसीएआर ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल को पूरी तरह से लागू करने का फैसला किया है. इसके तहत आईसीएआर के सभी केंद्र और संस्थान कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार सेवाओं के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में काम करेंगे. पीपीपी के इस मॉडल के लिए नियम तैयार कर लिए गए हैं और उन्हें जल्दी ही लागू किया जाएगा. गाइडलाइन तहत निजी क्षेत्र के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के जरिये रायल्टी देने की व्यवस्था से आगे की साझेदारी शुरू की जाएगी इसमें निजी और सरकारी संस्थान मिलकर कृषि क्षेत्र के लिए शोध कर सकेंगे और उसके होने वाले आर्थिक फायदे में उनकी हिस्सेदारी होगी. हिमांशु पाठक ने यह जानकारी दी उन्होंने कहा कि इस मौके पर 17 निजी कंपनियों के साथ (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए हैं. डॉ. पाठक ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों के कामकाज को भी नये सिरे से तय किया जाएगा और उनके कामकाज को बेहतर करने के लिए चर्चा हुई है, जल्दी ही इस बारे में फैसला लिया जा सकता है.

ICAR के स्थापना दिवस समापन समारोह के दिन संवाददाता सम्मेलन

## कृषि विज्ञान केन्द्रों की होगी अहम भूमिका

आईसीएआर के कृषि प्रसार उप महानिदेशक डॉ. यू.सिंह गौतम ने कहा कि हम किसानों की उपज का सही बाजार मूल्य सुनिश्चित करने, अधिकतम कृषि तकनीकें किसानों तक पहुंचाने के लिए पीपीपी मॉडल के तहत निजी क्षेत्र की कंपनियों, स्टार्ट-अप और एफपीओ के साथ काम कर रहे हैं, किसानों की उपज को सही तकनीक, प्रसंस्करण और सही बाजारमिले, इसके लिए आईसीएआर निजी क्षेत्र की कंपनियों, स्टार्ट-अप और एफपीओ के साथ मिलकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए काम कर रहा है इसमें कृषि विज्ञान केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे उन्होंने कहा हमें नई तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके अधिक किसानों तक पहुंचने की जरूरत है, जिससे किसानों तक तेजी से पहुंचा जा सके.

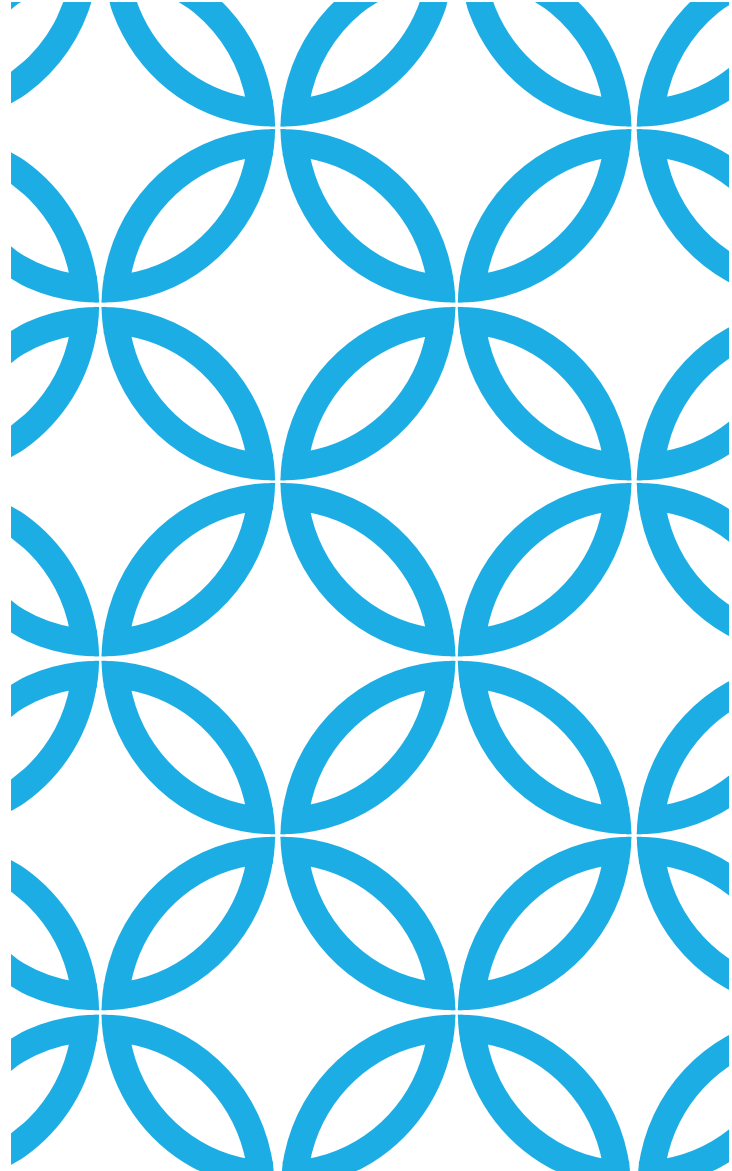
## सेटलाइट मैपिंग के जरिए कार्बन क्रेडिट का आंकलन

कार्बन क्रेडिट के संबंध में बताया कि डॉ. पाठक ने बताया आईसीएआर निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है समे कार्बन क्रेडिट का फायदा कैसे मिले इस लिए हम कुछ मॉडल पर काम कर रहे हैं. आईएआई पूसा के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि इसके बारे में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम कर रहा है. आईएआरआई के निदेशक डॉ. ए.के. बताया कि कार्बन क्रेडिट के जरिए लाभ मिल सके इसके लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ मिलकर सेटलाइट मैपिंग के जरिए कार्बन क्रेडिट के आंकलन किया जा जो कि पंजाब में किया गया है. अभी तक के अनुभवों से उन्होंने कहा कि हमने पाया कि इस मैपिंग के जरिये आने वाले नतीजे 95 फीसदी तक सही हैं. पंजाब में निजी क्षेत्र की कंपनी म्हाइको और गो ग्रीन और अमेरिकी कंपनी इंडिगो किसानों के साथ मिलकर का रहे है. आईएआरआई इसके लिए एक ट्रेडिंग प्लेटफार्म काम रहा है. अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्बन क्रेडिट लिए वेरा प्रोटोकॉल के तहत काम होता है.

## कैसे ले सकते हैं कार्बन क्रेडिट बेहतर लाभ ?

निदेशक डॉ. सिंह ने बताया कि देश में छोटे मझोले किसानों की सख्यां ज्यादा है इसलिए यहा की परिस्थिति के अनुसार किस तरह की व्यवस्था व्यवहारिक होगी. इस पर आईसीएआर काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि अपने देश में कार्बन क्रेडिट का फायदा किसान समूह और एफपीओ के माध्यम से किसान बेहतर ले सकते हैं और आने वाले दिनों में कार्बन क्रेडिट किसानों के लिए आय का बड़ा स्रोत बन सकता है.

| Date  | Source               |
|---|----------------------|
| Jul 19, 2023,<br>Updated Jul 19, 2023, 10:18 AM IST | किसान तक, NEW DELHI, |



**THANK YOU!!**

---